



୩୩ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ ||
ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ || ଶୁଦ୍ଧିପରିମାଣେ ||

॥ ४ ॥ अज्ञायस्त्रियरुद्रयात्मा रुद्रेष्विद्वान्विद्वास् गत्वा
द्विरुद्रेष्विद्वास् रुद्रेष्विद्वास् गत्वा द्विरुद्रेष्विद्वास् गत्वा
शम्भुः। व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् ॥ ५ ॥
शम्भुः। व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् ॥ ५ ॥
शम्भुः। व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् व्याघ्रप्रभिण् ॥ ५ ॥

ସାହୁମା|| ଯାଗ୍ରହିତମେ|| ଲିରୋପମତିମା|| ଦୂରେ|| ଯାନ୍ତୀଃ|| ଶ୍ରୀମଦ୍ଵୟସାର୍ଥୀପରାମା|| ହୀରୁପିନୀ
ଶ୍ରୀରାମା|| ଗୁରୁକୃତିର୍ତ୍ତୀଃ|| କୁଳେ|| କ୍ଷୀରମ୍ଭାରୁତ୍ୟଲକ୍ଷ୍ମୀଃ|| ଭୂମିଃ|| ଅମାତ୍ରମା|| ଯାଗ୍ରହିତ
ଗୁରୁରିତିମା|| ଦୂରେ|| ଯାନ୍ତୀଃ|| ଗୋମାତ୍ରବନ୍ଧିତମା|| ଶ୍ରୀକର୍ଣ୍ଣପିଲିଙ୍ଗାମ
ଶ୍ରୀଵିନାରାତ୍ରିଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ||
କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ||
କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ|| କୁଳେଃ||

१८ विद्युत्तमस्त्रवाप्ति

॥ ७ ॥ शुद्धिः ॥ अपातमः ॥ विग्रहसः ॥ दीर्घोपतः ॥ वृक्षः ॥ वलता ॥ ॥ ८ ॥
विलक्षणात्मिका ॥ निर्वायरेत्तरः ॥ विवाहकुरुतीप्रसन्निस
ग्रहस्यापयः ॥ अपात्यापयः ॥ विग्रहस्युः ॥ दीर्घोपतप्रसन्निसः ॥ वृक्षात्मिकात्मि
वलतावत्तरायाप्रसन्निस ॥ उपासनात्मिकात्मिका ॥ उपासनात्मिका ॥ उपासनात्मिका ॥
वृक्षात्मिका ॥ विवाहकुरुतीप्रसन्निस ॥ विवाहकुरुतीप्रसन्निसः ॥ वृक्षात्मिका ॥

